लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1188

01 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

बोकारो इस्पात संयंत्र

1188. श्री चन्द्रकांत खैरे:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रदूषण नियंत्रण यंत्र अर्थात् इलेक्ट्रो स्टैटिक प्रेसीपिटेटर (ईएसपी) बहुत पुराना हो गया है और बोकारो इस्पात संयंत्र में पर्यावरणीय समस्याएं पैदा कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकने के लिए ईएसपी प्रणाली को सुधारने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और

(घ) एकत्रित चूने की राख, जोकि बोकारो संयंत्र में प्रदूषण करती है, की उतराई को सुचारू बनाए जाने के लिए क्या कदम उठाए गए/जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): इस्पात उद्योग द्वारा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण डिवाइस अर्थात् इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसीपिटेटर्स (ई.एस.पीएस.) का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में कुछेक ईएसपी पुराने हो गए हैं। तथापि, इन ई.एस.पीएस. का उपयुक्त अनुरक्षण करके यह सुनिश्चित किया जाता है कि पर्यावरण की कोई समस्या उत्पन्न न हो।

(ग): बीएसएल में विद्यमान ई.एस.पीएस. का नियमित रूप से अनुरक्षण प्रणालीगत प्रचालन को अच्छी स्थिति में रखने के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कुछेक ई.एस.पीएस. का विस्तार/ पुनरूद्धार किया जा रहा है तथा नये ई.एस.पीएस. की स्थापना (प्रदूषण नियंत्रण की पुरानी डिवाइस को प्रतिस्थापित करते हुए) रिफ्रेक्ट्री मेटिरियल प्लांट में, सिंटर प्लांट में चरणबद्ध तरीके से, दो ब्लास्ट फर्नेसो में कास्ट हाउसों को डि-फ्यूम करने के लिए तथा स्टील मिल्टिंग शॉप में गौण उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली (ई.एस.पी. के साथ डॉग हाउस) के लिए की जा रही है।

(घ): रिफ्रेक्ट्री मेटिरियल प्लांट में एकत्र लाइम फाइन्स को स्टोरेज बंकरों से ढालू प्रणाली के जरिए सीमेंट टैंक केरियर (सीटीसी), जोकि बन्द कंटेनर है, में अनलोड किया जाता है, ताकि प्रदूषित पदार्थों का उत्सर्जन न हो सके।

***